गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

हिन्दी अध्ययन एवं शोध केंद्र

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

गांधीनगर- 382030

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

हिन्दी अध्ययन एवं शोध केंद्र

(27 जुलाई 2015 को सम्पन्न अध्ययन मण्डल की बैठक में अनुमोदित तथा 28 सितम्बर 2015 को सम्पन्न विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की 12वीं बैठक में स्वीकृत तथा अकादमिक वर्ष 2015-16 से कार्यान्वित |)

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिन्दी अध्ययन एवं शोध केंद्र
एम.ए. - पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

क्रेडिट - **18**

पाठ्य पत्र कोड	**पाठ्यक्रम विवरण**	**क्रेडिट**	
HIN-401	मध्यकालीन हिन्दी काव्य	4	अनिवार्य
HIN-402	आधुनिक हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाएं	4	अनिवार्य
HIN-421	क. हिन्दी कहानी	4	वैकल्पिक
HIN-422	ख. भक्तिकाल	4	वैकल्पिक
HIN-423	ग. हिन्दी पत्रकारिता	4	वैकल्पिक
HIN-424	घ. प्रवासी हिन्दी साहित्य	4	वैकल्पिक
प्रकल्प HIN-441 HIN-442	पुस्तक समीक्षा **अथवा** रचनात्मक लेखन	2	अनिवार्य

द्वितीय सत्र

क्रेडिट - **18**

पाठ्य पत्र कोड	**पाठ्यक्रम विवरण**	**क्रेडिट**	
HIN-451	आधुनिक हिन्दी काव्य	4	अनिवार्य
HIN-452	आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	4	अनिवार्य
HIN-471	क. हिन्दी उपन्यास	4	वैकल्पिक
HIN-472	ख. नवजागरणकालीन साहित्य	4	वैकल्पिक
HIN-473	ग. रेडिओ, टी.वी. एवं वेब माध्यम	4	वैकल्पिक
HIN-474	घ. गुजराती साहित्य	4	वैकल्पिक
प्रकल्प	मोनोग्राफ **अथवा** साक्षात्कार	2	अनिवार्य

HIN-491 HIN-492			

तृतीय सत्र

क्रेडिट - **18**

पाठ्य पत्र कोड	**पाठ्यक्रम विवरण**	**क्रेडिट**	
HIN-501	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा	4	अनिवार्य
HIN-502	अस्मितामूलक साहित्य	4	अनिवार्य
HIN-521	क. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	4	वैकल्पिक
HIN-522	ख. छायावाद	4	वैकल्पिक
HIN-523	ग. हिन्दी सिनेमा	4	वैकल्पिक
HIN-524	घ. भारतीय साहित्य	4	वैकल्पिक
प्रकल्प HIN-541, HIN-542	पटकथा लेखन **अथवा** रूपांतरण	2	अनिवार्य

चतुर्थ सत्र

क्रेडिट - **18**

पाठ्य पत्र कोड	**पाठ्यक्रम विवरण**	**क्रेडिट**	
HIN-551	साहित्यशास्त्र	4	अनिवार्य
HIN-552	प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	अनिवार्य
HIN-571	क. हिन्दी आलोचना	4	वैकल्पिक
HIN-572	ख. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता	4	वैकल्पिक
HIN-573	ग. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग	4	वैकल्पिक
HIN-574	घ. तुलनात्मक साहित्य	4	वैकल्पिक
प्रकल्प HIN-591, HIN-592	शोध पत्र लेखन **अथवा** अनुवाद	2	अनिवार्य

नोट: 1. प्रत्येक सत्र के वैकल्पिक पाठ्य-पत्रों (क,ख,ग,घ) में से किन्हीं दो का चयन विद्यार्थी कर सकते हैं |

2. अध्यापन एवं लिखित परीक्षा की भाषा हिन्दी होगी |

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम मूल्यांकन प्रणाली

प्रत्येक पाठ्य पत्र के लिए 100 अंक निर्धारित हैं | जिनमें 50 अंक आंतरिक मूल्यांकन तथा शेष 50 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए निर्धारित हैं | सत्रांत परीक्षा का प्रश्नपत्र दो घंटे का होगा | सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र का अंक विभाजन निम्नवत होगा है-

1. बहु विकल्पी 10	: 05 अंक	
2. अति संक्षिप्त उत्तर 05	: 05 अंक	
3. संक्षिप्त उत्तर 04 (विकल्प सहित)	: 08 अंक	
4. विस्तृत उत्तर 04 (विकल्प सहित)	: 24 अंक	
5. टिप्पणी 02 (विकल्प सहित)	: 08 अंक	पूर्णांक : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत अंक विभाजन

उपस्थिति और कक्षा में सहभागिता	: 05 अंक	
संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति	: 10 अंक	
प्रदत्त कार्य	: 10 अंक	
मध्य सत्र लिखित परीक्षा	: 25 अंक	पूर्णांक : 50 अंक

प्रथम सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 1 : मध्यकालीन काव्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को आदि एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों और उनके काव्य से परिचित कराना
- पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

आदिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि और काव्य
भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
भक्ति काव्य का वैचारिक आधार
भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएं एवं प्रवृत्तियां
भक्ति काव्य का सामाजिक आधार (स्त्री एवं वंचित समुदाय के विशेष सन्दर्भ में)

इकाई- 2.

भक्तिकाव्य- निर्गुण धारा

जायसी (आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा सं. 'पद्मावत' से) **सिंहल द्वीप वर्णन खंड**- 1. सिंहल द्वीप कथा अब गावौं..... सिंहल द्वीप समीप 2. जबहीं दीप नियरावा.....सदा बसंत 3. फरे आंब अति..... घन तार खजूर 4. राजसभा पुनि दीख ..... बाद परताप **नागमती वियोग खंड**- 1. नागमती चितउर पथ..... मोहि दिन्ह 2. पाट महादेइ हिये..... अद्रा पलुहंत 3. चढ़ा असाढ़ गगन..... सुख भुला सर्व 4. कुहुकी कुहुकी जस.....सुनी आवे कान्त |

कबीर (हजारी प्रसाद द्विवेदी कृत 'कबीर' से) **पद सं.** 33, 35 168, 215 और 249 **साखी सं.** 176, 220 222, 230, 231, 234, 241 और 256

इकाई- 3.

भक्तिकाव्य- सगुण धारा

सूरदास (आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा सं. 'भ्रमरगीत सार' से) 1. नीको रहियो जसुमति..... सन्देश न लीन्हो 2. आयो घोष बड़ो व्यापारी.... आनि दिखावे 3. हम तो बुंह.....जननी छार 4. हमारे हरि हरिल.... जिनके मन

चकरी 5. निर्गुण कौन देश..... सबै मति नासी 6. प्रीती करि दीन्ही..... न बैठी डार 7. हरि हैं राजनीति .... जाय सताए 8. उधो तुम अपनी जतन..... अर्धजल जोग |

तुलसीदास ('कवितावली' से) 1. किसबी, किसान-कुल..... बड़ी है आगि पेटकी 2. जातिके, सुजातिके.....देखि-सुनी सो 2. खेती न किसानको.....तुलसी हहा करी 3. धूत कहौ, अवधूत....दैबेको दोऊ 4. पठयो है.....नन्दलालको 5.

मीरा (विश्वनाथ त्रिपाठी कृत मीरा का काव्य से)- 1. हे मा बड़ी बड़ी..... घर बसिके 2. माई संवारे .....रसीली जांची 3. माई री म्हा.....जणम की कोल 4. पग बांध घूंघरयां..... आस्यां री 5. राणाजी ठे जहर दियो.....अपणी जाणी 6. जोगी मत जा..... जोत मिला जा 7. साबरे मारया तीर ..... धरण णा धीर 8. आवत मोरी..... किसन मुरारी

इकाई- 4.

रीतिकालीन काव्य की राजनीतिक, सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

रीतिकालीन काव्य की विविध धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त)

देव (चयनित पद)- 1. सुनो पै परम .....एक बारही करै परी 2. डार द्रुम पलना.....गुलाब चटकारी दे 3. कथा मैं न कंथा..... परमेसर प्रतीति मैं 4. जब तें कुंवर..... बिलोकति बिकानी-सी 5. तेरो कह्यो करि करि .....मारौं एक बार 6. प्रेम गुन..... तरंग श्याम रंग की 7. झहरी झहरी झीनी.....दृगन में 8. सांसन ही सौं समीर ..... हरि जू हरि

बिहारी (चयनित पद)- 1. मेरी भव बाधा.....हरित दुति होई 2. अजौं तरयौना.....मुकुतनु कैं संग 3. पत्रा ही तिथि..... आनन ओप उजास 4. या अनुरागी चित्त की ..... उज्जलु होई 5. मोहन मुरती..... जग होइ 6. बेसरी मोती दुति..... पट पौछ्यों जाइ 7. बड़े न हुजै..... गहनौ गढ़यौ न जाइ 8. नहीं परागु नहीं..... कौन हवाल 9. अंग अंग नग..... उज्यारौगेह 10. चिलक, चिकनई, चटक..... डसी जाइ

घनानंद (चयनित पद)- 1. रावरे रूप की रीति.....हाथिनी हारियै 2. बिरह दवागिनी उठी..... सब ही हरै 3. राबरे गुननि बांधि..... परेखनी मूरति है 4. लहकी लहकी आवै..... रहियै ऊचे 5. दृग छाकत हैं छवि..... लाज थकै 6. जब तें निहारे..... तिन ही को ध्यान |

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. त्रिवेणी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा, परशुराम चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
9. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. बिहारी का नया मूल्यांकन, डॉ. बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

11. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन, सं. बलदेव बंशी, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा
12. भक्ति काव्य और लोकजीवन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. भक्ति आन्दोलन इतिहास और संस्कृति, कुंवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद
15. भक्ति काव्य का समाज दर्शन, प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. भक्ति काव्य यात्रा, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. रीति काव्य की इतिहास दृष्टि, सुधीन्द्र कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी साहित्य का रीतिकाल, डॉ. विनोद कुमार तनेजा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
20. रीतिकाव्य, नन्दकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
21. रीतिकाव्य के विविध आयाम, सुधीन्द्र कुमार, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
22. बिहारी अनुशीलन, सरोज गुप्ता, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 2 : आधुनिक हिन्दी नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को हिन्दी नाटक और अन्य गद्य विधाओं से परिचित कराना
- छात्रों में नाटक एवं अन्य गद्य विधाओं के आस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना

इकाई- 1.

हिन्दी नाटक : विकास और प्रवृत्तियाँ
हिन्दी का कथेतर गद्य : स्वरूप और विकास

इकाई- 2.

नाटक - आठवां सर्ग (सुरेन्द्र वर्मा)
एकांकी- स्ट्राईक (भुवनेश्वर), भोर का तारा (विष्णु प्रभाकर), रेशमी टाई (रामकुमार वर्मा)

इकाई- 3.

निबंध - भाव एवं मनोविकार (आचार्य रामचंद्र शुक्ल), साहित्य का उद्देश्य (प्रेमचंद), अशोक के फूल (आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी) आस्था और सौन्दर्य (रामविलास शर्मा) प्रेमचंद के फटे जूते (हरिशंकर परसाई), आँगन का पंछी (विद्यानिवास मिश्र), सन्नाटा (अज्ञेय), सीता और द्रौपदी (रामवृक्ष बेनीपुरी)

इकाई- 4.

अन्य गद्य विधाएं

रिपोतार्ज- ऋणजल-धनजल (फणीश्वरनाथ रेणु) का चयनित अंश

यात्रा वृत्तान्त- सौन्दर्य की नदी नर्मदा (अमृतलाल वेगड़) का चयनित अंश

रेखाचित्र- घीसा (महादेवी वर्मा)

सस्मरण- स्मृति लेखा (अज्ञेय)

डायरी- मलयज की डायरी (मलयज) का चयनित अंश

आत्मकथा- अपनी खबर (पाण्डेय बेचन शर्मा उग्र) का चयनित अंश

जीवनी- निराला की साहित्य साधना (रामविलास शर्मा) का चयनित अंश

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-

1. रंगदर्शन, नेमिचंद्र जैन, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी रंगमंच की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी का गद्य साहित्य, रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. साहित्यिक विधाएं : सैद्धांतिक पक्ष, डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी नाटक और रंगमंच, (सं.) राजमल बोरा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
7. पारंपरिक भारतीय रंगमंच, कपिला वात्स्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
8. नाट्यभाषा, गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन
9. हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
10. आधुनिक भारतीय रंगलोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
11. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन, गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन
13. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, सीताराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. अंतरंग बहिरंग -- देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
15. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन, गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन
16. दूसरा नाट्य शास्त्र, देवेन्द्रराज अंकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच -सीताराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन
18. नाट्यालोचना के सिद्धांत -सिद्धनाथ कुमार, वाणी प्रकाशन
19. हिंदी नाटक के सौ साल, (दो भागों में) सं. महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
20. हिंदी नाटक : विमर्श के विविध आयाम, ममता धवन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- क : हिन्दी कहानी

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को कहानी विधा के तात्विक स्वरूप का परिचय देना
- ऐतिहासिक विकास क्रम के परिप्रेक्ष्य में कहानी विशेष का महत्व समझते हुए एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना

इकाई 1.

कहानी : परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

इकाई 2.

स्वतन्त्रतापूर्व हिन्दी कहानी- ठाकुर का कुआँ (प्रेमचंद), ताई (विश्वम्भरनाथ शर्मा 'कौशिक'), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), खुदाराम (पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'), पत्नी (जैनेन्द्र), दु:ख (यशपाल), शरणदाता (अज्ञेय)

इकाई 3.

नई कहानी - मलबे का मालिक (मोहन राकेश), नीली झील (कमलेश्वर), बंद दराजों के साथ (मन्नू भंडारी), वांग्चु (भीष्म साहनी), रसप्रिया (फणीश्वरनाथ रेणु), कर्मनाशा की हार (शिवप्रसाद सिंह), डिप्टी कलेक्टरी (अमरकांत)

इकाई 4.

समकालीन हिन्दी कहानी- अमरुद का पेड़ (ज्ञानरंजन), सुख (काशीनाथ सिंह), मंजू फालतू (स्वयं प्रकाश), छप्पन तोले की करधन (उदयप्रकाश), कर्ज (मोहनदास नैमिशराय), रहोगी तुम वही (सुधा अरोड़ा), चिह्नार (मैत्रेयी पुष्पा)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी कहानी का इतिहास, मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कहानी सन्दर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. कहानी का लोकतंत्र, पल्लव, आधार प्रकशन, पंचकूला, हरियाणा
6. कहानी : स्वरूप और संवेदना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

7. कुछ कहानियां कुछ विचार, विश्वनाथप्रसाद त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ, शम्भु गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. कहानी के नये प्रतिमान, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य, पुष्पपाल सिंह, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
11. कहानी : वस्तु, अंतर्वस्तु, शम्भु गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी कहानी : यथार्थवादी नजरिया, मार्कण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
13. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. समकालीन हिंदी कहानी में समाज संरचना, मोनिका हारित, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
15. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी में मानव प्रतिमा, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
16. कहानी का उत्तर समय : सृजन सन्दर्भ, पुष्पपाल सिंह, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
17. आधुनिक हिंदी कहानी, लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना, डॉ. साधना शाह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी कहानी : परम्परा और प्रगति, हरदयाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
20. इक्कीसवीं सदी का पहला दशक और हिंदी कहानी, सूरज पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
21. जनवादी कहानी : पृष्ठभूमि से पुनर्विचार तक, रमेश उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ख : भक्तिकाल

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को भक्ति साहित्य की परिस्थितियों, प्रवृतियों एवं प्रतिनिधि रचनाकारों से परिचय कराना
- पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि
भक्ति काव्य का अखिल भारतीय स्वरूप
भक्ति काव्य का वैचारिक आधार
भक्ति काव्य का सामाजिक आधार (स्त्री, लोक, वर्ण व्यवस्था)

इकाई- 2.

भक्ति काव्य : संवेदना और प्रवृतियाँ
भक्ति काव्य : भाषा, संरचना और शिल्प
भक्ति काव्य : संगीत एवं विविध कलाओं से संबंध

इकाई- 3.

निर्गुण भक्ति काव्यधारा

प्रमुख कवि : कबीर, रैदास, दादू दयाल, मुल्ला दाउद, जायसी,

इकाई- 4.

सगुण भक्ति काव्यधारा

प्रमुख कवि : सूरदास, नन्ददास, मीरा, तुलसीदास, रसखान, नरसी मेहता

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी साहित्य का भक्तिकालीन काव्य, डॉ. मनमोहन सहगल, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
2. हिंदी सगुण भक्ति काव्य के दार्शनिक स्रोत, रामचन्द्र देव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी काव्यधारा, राहुल सांकृत्यायन, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
4. त्रिवेणी, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
5. कबीर, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा, परशुराम चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
8. लोकवादी तुलसीदास, विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. बिहारी का नया मूल्यांकन, डॉ. बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. कबीर : एक पुनर्मूल्यांकन, सं. बलदेव बंशी, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा
11. भक्ति काव्य और लोकजीवन, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. भक्ति आन्दोलन इतिहास और संस्कृति, कुंवरपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. जायसी, विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद
14. भक्ति काव्य का समाज दर्शन, प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति काव्य यात्रा, डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. मीरा का जीवन और समाज, माधव हाडा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा
19. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
20. भक्ति का सन्दर्भ, देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ग : हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को पत्रकारिता के विकास और महत्व से परिचित कराना
- पत्रकारिता और मीडिया लेखन में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना

इकाई- 1.

पत्रकारिता : परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, उद्देश्य, महत्व

पत्रकारिता का आरम्भ एवं विकास

पत्रकारिता संबंधी प्रमुख क़ानून तथा आचार संहिता

इकाई- 2.

हिन्दी पत्रकारिता : उद्भव और विकास

स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी पत्रकारिता

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता

इकाई- 3.

हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

स्वतन्त्रतापूर्व की प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएँ - कवि वचन सुधा, प्रताप, हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, मतवाला, इंदु, हंस, चाँद

स्वातंत्र्योत्तर प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएँ - कादम्बिनी, सारिका, धर्मयुग, दिनमान, रविवार, नई कहानी, आलोचना, हंस, युद्धरत आम आदमी, नया ज्ञानोदय, वागर्थ, कथादेश

लघु पत्रिका आन्दोलन

इकाई- 4.

पत्रकारिता संबंधी लेखन

समाचार संकलन, समाचार लेखन, संपादन, फीचर लेखन, आमुख, शीर्षक, आवरण कथा, साक्षात्कार, संपादकीय आदि

प्रस्तुति : प्रूफ शोधन, पृष्ठ विन्यास, चित्र, रेखाचित्र, कार्टून आदि

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी पत्रकारिता, डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियां, डॉ. पृथ्वीराज पाण्डेय. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पत्रकारिता के नये आयाम, एस. के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

4. पत्रकारिता : नया दौर, नये प्रतिमान, संतोष भारतीय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5. पत्रकारिता : नया मीडिया नये रुझान, शालिनी जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. आधुनिक पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
7. हिंदी पत्रकारिता, डॉ. धीरेन्द्रनाथ सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. हिंदी पत्रकारिता, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. पत्रकारिता का बदलता स्वरूप, डॉ. महासिंह पुनिया, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
10. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और आयाम, राधेश्याम शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
11. सूचना प्रोद्योगिकी एवं पत्रकारिता, अशोक मलिक, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
12. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार, डॉ. ठाकुर दत्त आलोक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और सन्दर्भ, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. पत्रकरिता के उत्तर आधुनिक चरण, कृपाशंकर चौबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. संचार क्रांति और हिंदी पत्रकारिता, डॉ. अशोक कुमार शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. हिंदी पत्रकारिता के नये प्रतिमान, बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
18. हिंदी पत्रकारिता और समाचार पत्रों की दुनिया, रत्नाकर पाण्डेय, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी पत्रकारिता आधुनिक सन्दर्भ, देव प्रकाश मिश्र, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
20. पत्रकारिता के प्रश्न, राजेंद्र शंकर भट्ट, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- घ : हिन्दी प्रवासी साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को प्रवासी साहित्य से परिचय कराना
- चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा प्रवासियों के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझाना

इकाई- 1.

प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप और विकास
जलावतन, दासता, देशांतर गमन, बहुसांस्कृतिकता एवं नागरिकता, भूमंडलीकरण और प्रवासन, वतन और स्मृति, डायस्पोरा और भाषा

इकाई- 2.

हिन्दी प्रवासी साहित्य : स्वरूप एवं विकास

इकाई- 3.

लाल पसीना - अभिमन्यु अनत

इकाई- 4.

देशांतर - संपादक : तेजेंद्र शर्मा, हिन्दी साहित्य अकादमी, दिल्ली (चयनित कहानियां)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, सं. सुषमा आर्य- अजय नावरिया, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
2. Anderson, Benedict (1982), *Imagined Communities Reflections on the Origin and Rise of Nationalism*, London: Verso.
3. Bammer, Angelika (ed.) (1994), *Displacements: cultural identities in question*, Bloomington: Indiana University Press.
4. Barkan, Elazar and Marie-Denise Shelton (eds.) (1998), *Borders, Exiles, Diasporas,* Stanford, California: Stanford University Press.
5. Brah, A. (1996), *Cartographies of Diasporas: Contesting Identities*, Routledge, London & New York
6. Braziel, Jana Evans and Anita Mannur (eds.) (2003), Theorising Diaspora A Reader, Malden: Blackwell Publishing Ltd.
7. Castles, S. and M. Miller (2009) *The Age of Migration: International Population Movements in the Modern World*, Palgrave Macmillan, New York.
8. Cohen, Robin, 2008, *Global Diasporas*, 2nd Edition, Taylor & Francis Ltd
9. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.
10. Gurr, Andrew (1981), *Writers in Exile: The Identity of Home in Modern Literature*, Sussex: The Harvester Press.
11. Hall, Stuart et al. (eds.) (1992), *Modernity and its futures*, Cambridge: Polity Press in association with the Open University.
12. Jain, R .K. and Jasbir (eds.), 1998, *Writers of the Indian Diaspora*, Jaipur: Rawat Publications,
13. Jain, Ravindra K. (1993), *Indian Communities Abroad: Themes and Literature*, New Delhi: Manohar Publishers & Distributors.
14. Jayaram, N. (2004), *The Indian Diaspora*, Sage Publications India Pvt Ltd, New Delhi.
15. Jayaram, N. (2011), '*Diversities in the Indian Diaspora: Nature, Implications, Responses*', Oxford University Press
16. Kapur Devesh, 2010 *Diaspora, Development, and Democracy: The Domestic Impact of International on India,* Princeton University Press
17. Kim Knott and Seán McLoughlin (eds) *Diasporas: Concepts, Intersections, Identities*, Zed Books, 2010
18. Kishor, Giriraj (2010), *The Girmitiya Saga* (Translated by Prajapati Sah), New Delhi: Niyogi Books
19. Nelson, Emmanuel Sampath. *Reworlding: The Literature of The Indian Diaspora*. Greenwood Press, 1992.
20. Paranjape, Makarand (2002), *In Diaspora: Histories, Texts, Theories*, Delhi: Indialog.

21. Parekh, Bhikhu (2000), *Rethinking Multiculturalism*, London: Macmillan Press LTD.
22. Radhakrishnan, R. (1996), *Diasporic Mediations: Between Home and Location*, Minneapolis: University of Minnesota Press.
23. Radhakrishnan, R. (2007), *Between Identity and Location The Cultural Politics of Theory*, Hyderabad: Orient Longman Private Limited.
24. Rajan, Irudaya. S (ed.), 2011, *Dynamics of Indian Migration: Historical and Current Perspectives*. Routledge. New Delhi
25. Rushdie, Salman, 1991. *Imaginary Homelands: Essays and Criticism 1981-1991*
26. Sahay, Anjali (2009), *Indian Diaspora in the United States Brain Drain or Gain*? Lanham: Lexington Books
27. Sheffer, Gabriel, (1986) (ed.), *Modern Diasporas in International Politics*, London: Croom Helm.
28. Sheffer, Gabriel, 2003, *Diaspora Politics: At Home Abroad*. Cambridge University Press.
29. Varadarajan, Latha (2010), *The Domestic Abroad Diasporas in International Relations*, Oxford: Oxford University Press

प्रकल्प

क्रेडिट 02

	पुस्तक समीक्षा **अथवा** रचनात्मक लेखन (न्यूनतम 3000 शब्द)	क्रेडिट 2	अनिवार्य

द्वितीय सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 3 : आधुनिक हिन्दी काव्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से अवगत कराना
- छात्रों को पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

आधुनिक हिन्दी काव्य का परिचय एवं प्रवृत्तियाँ : भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, जनवादी कविता और समकालीन कविता

इकाई- 2.

जयशंकर प्रसाद - कामायनी का श्रृद्धा सर्ग

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- राम की शक्तिपूजा

इकाई- 3.

नागार्जुन- प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियाँ, कलामुद्दीन

अज्ञेय- नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की

गजानन माधव मुक्तिबोध- अँधेरे में

इकाई- 4.

रघुवीर सहाय- रामदास, हंसो हंसो जल्दी हंसो, तुमसे कहीं कुछ है

धूमिल- बीस साल बाद, अकाल दर्शन, मुनासिब कार्यवाही

केदारनाथ सिंह- आना, रोटी, बनारस, धानों का गीत

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रतिनिधि आधुनिक कवि, सं. डॉ. चन्द्र त्रिखा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, सं. डॉ. चन्द्र त्रिखा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
3. कवियों की पृथ्वी, अरविन्द त्रिपाठी, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा
4. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
5. कविता का अर्थात, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. छायावाद का रचनालोक, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. कामायनी : एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, कुमार विमल, राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली
12. छायावाद युगीन साहित्यिक वाद विवाद, गोपाल प्रधान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
13. छायावाद का प्रेमदर्शन, विजय लक्ष्मी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
14. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. साठोत्तरी कविता परिवर्तित दिशाएँ, विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
17. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
18. फिलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन दिल्ली

20. समकालीन कविता और सौंदर्य बोध, रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
21. कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
22. कविता का आत्मपक्ष, एकांत श्रीवास्तव, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
23. कविता की संगत, विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
24. समकालीन कविता का बीजगणित, कृष्ण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
26. नयी कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
27. कविता का उत्तर जीवन, परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
28. समकालीन हिंदी कविता की नई सोच, डॉ. पद्मजा घोरपड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 4 : आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को उपन्यास तथा कहानी विधा के तात्विक स्वरूप से परिचित कराना
- उपन्यास तथा कहानी के ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना
- रचना के आस्वादन और विश्लेषण की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य के विकास की पृष्ठभूमि

उपन्यास : उद्भव और विकास

कहानी : उद्भव और विकास

इकाई- 2.

उपन्यास - गोदान - प्रेमचंद

इकाई- 3.

उपन्यास - मैला आंचल - फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई 4.

चयनित कहानियां - हार की जीत (सुदर्शन), हेलिबेन की बतखें (अज्ञेय), जहाँ हसद नहीं (यशपाल), पाजेब (जैनेन्द्र), गदल (रांगेय राघव), परिंदे (निर्मल वर्मा), कोशी का घटवार (शेखर जोशी), वापसी (उषा प्रियंवदा), बादलों के घेरे (कृष्णा सोबती), सलाम, (ओमप्रकाश वाल्मीकि) कटघरे (सुमित्रा महरौल), बच्चे गवाह नहीं हो सकते (पंकज बिष्ट), सिरीउपमायोग (शिवमूर्ति)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. अधूरे साक्षात्कार, नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. उपन्यास का उदय, ऑयन वाट (अनु. धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
5. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी कहानी का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी कहानी का इतिहास, मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
8. उत्तर आधुनिकता और समकालीन कथा साहित्य, डॉ. लक्ष्मी गौतम, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. हिंदी कथा साहित्य : एक दृष्टि, सत्यकेतु सांकृत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. हिंदी कथा साहित्य का इतिहास, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
12. उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
13. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. अधूरे साक्षात्कार, नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. उपन्यास और लोकजीवन, रैल्फ फॉक्स, पी.पी.एच., दिल्ली
16. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
17. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. उपन्यास की संरचना, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
20. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय से साक्षात्कार, विजय लक्ष्मी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
21. उपन्यासों के रचना प्रसंग, कुसुम वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
22. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
23. उपन्यास समय और संवेदना, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
24. उपन्यास : स्थिति और गति, चन्द्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष, डॉ. अर्जुन चव्हान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- क : हिन्दी उपन्यास

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को उपन्यास विधा के उदय, विकास एवं तात्विक स्वरूप का परिचय देना
- ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित करना

इकाई- 1.

उपन्यास : उदय और विकास
परिभाषा, तत्व, प्रकार, अन्य विधाओं से संबंध
हिन्दी उपन्यास का विकास
हिन्दी उपन्यास : विविध संदर्भ

इकाई- 2.

अनामदास का पोथा - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई- 3.

राग दरबारी - श्रीलाल शुक्ल

इकाई- 4.

पचपन खंभे लाल दीवारें - उषा प्रियंवदा

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. उपन्यास का इतिहास, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3. अधूरे साक्षात्कार, नेमिचंद्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. उपन्यास का उदय, ऑयन वाट (अनु. धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला
5. उपन्यास और लोकजीवन, रैल्फ फॉक्स, पी.पी.एच., दिल्ली
6. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेंद्र यादव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. उपन्यास की संरचना, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय से साक्षात्कार, विजय लक्ष्मी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

11. उपन्यासों के रचना प्रसंग, कुसुम वार्ष्णेय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. उपन्यास समय और संवेदना, विजय बहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. उपन्यास : स्थिति और गति, चन्द्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. समकालीन उपन्यासों का वैचारिक पक्ष, डॉ. अर्जुन चव्हाण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. हिंदी उपन्यास, डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
17. हिंदी के आंचलिक उपन्यासों में मूल्य संक्रमण, वेदप्रकाश अमिताभ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. समकालीन हिंदी उपन्यास : समय और संवेदना, सं. वी.के. अब्दुल जलील, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. समकालीन हिंदी उपन्यास, शशिभूषण सिंहल, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला
20. समकालीन हिंदी उपन्यास, सूरज पालीवाल, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ख : नवजागरणकालीन साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को नवजागरणकालीन पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियों से परिचय कराना
- पाठ्य कृतियों के आस्वादन और विश्लेषण क्षमता को बढ़ाना

इकाई- 1.

नवजागरण : अवधारणा, स्वरूप, विकास, विशेषताएँ
पाश्चात्य नवजागरण की पृष्ठभूमि
भारतीय नवजागरण के प्रणेता
नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाओं का परिचय

इकाई- 2.

हिन्दी नवजागरण : प्रमुख प्रवृत्तियां
पुनरुत्थानवादी प्रवृत्तियां
हिन्दी नवजागरण का राजनीतिक परिप्रेक्ष्य
हिन्दी नवजागरण और भारतेंदु युग

इकाई- 3.

नाटक : भारत दुर्दशा - भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई- 4.

निबंध : राधाचरण गोस्वामी के चयनित निबंध

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. रस्साकशी, वीर भारत तलवार, सारांश प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नवजागरण, देशी स्वछंदतावाद और नई काव्यधारा, कृष्णदत्त पालीवाल, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी नवजागरण, डॉ. गजेन्द्र पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6. हिंदी नवजागरण और जातीय गद्य परम्परा, कर्मेंदु शिशिर, आधार प्रकशन, पंचकूला, हरियाणा
7. हिंदी नवजागरण : राधाचरण गोस्वामी, सं. कर्मेंदु शिशिर, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
8. हिंदी और बंगला नवजागरण : भारतेंदु और बंकिमचन्द्र के निबंध, रूपा गुप्ता, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
9. नवजागरण और हिंदी आलोचना, रमेश कुमार, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ग : रेडियो, टीवी एवं वेब माध्यम

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को रेडियो, टीवी एवं वेब माध्यम के विकास और महत्त्व से परिचित कराना
- छात्रों को रेडियो, टीवी एवं वेब माध्यम में सक्रिय भागीदारी हेतु सक्षम बनाना

इकाई- 1.

श्रव्य एवं दृश्य माध्यम

रेडियो का इतिहास एवं वर्तमान (एफ.एम., कम्यूनिटी रेडियो, शिक्षा और रेडियो)

टी.वी. का इतिहास

भारत में टी.वी. (श्याम-श्वेत, रंगीन, निजी चैनल)

टी.वी. के विविध चैनल - समाचार, मनोरंजन, शिक्षा, खेल, बाल आधारित, धार्मिक आदि

इकाई- 2.

टी.वी. एवं साहित्य

टी.वी. सूचना एवं शिक्षण के माध्यम के रूप में

टी.वी. मनोरंजन के माध्यम के रूप में

धारावाहिक कार्यक्रम

साहित्यिक रचना पर केंद्रित कार्यक्रम

साहित्य का टी.वी. कार्यक्रम में रूपांतरण, टी.वी. कार्यक्रमों का निर्माण और प्रस्तुतीकरण., टी.वी. और तकनीक

चयनित कार्यक्रमों का अध्ययन (नीम का पेड़, मिर्जा ग़ालिब, चाणक्य आदि)

इकाई- 3.

इंटरनेट और वेब माध्यम

वेब माध्यम का स्वरूप और प्रवृत्तियां

वेब माध्यम के विविध रूप (समाचार वेबसाईट, ब्लॉग, सोशल साईट्स)

वेब माध्यम और जनसंचार

साहित्यिक वेबसाइटों का अध्ययन

वेबसाईट और तकनीक

इकाई- 4.

रेडियो, टी.वी. एवं वेबसाइट के लिए लेखन

धारावाहिक लेखन

टी.वी. विज्ञापन के लिए लेखन, वेब लेखन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी वेब साहित्य, सुनील कुमार लवटे, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. संस्कृति विकास और संचार क्रांति, पी.सी. जोशी, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली, 2001
3. मंडी में मीडिया, विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. **Handbook of New Media,** SAGE Publications Ltd
5. साक्षात्कार व्यवहार और सिद्धांत, रामशरण जोशी, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली
6. टेलीविजन : चुनौतियाँ और संभावनाएं, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. टेलीविजन समीक्षा : सिद्धांत और व्यवहार, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. मीडिया का यथार्थ, डॉ. रतन कुमार पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. रेडियो का कला पक्ष, डॉ. नीरजा माधव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. संप्रेषण और रेडियो शिल्प, विश्वनाथ पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. समाचार और संवाददाता, काशीनाथ गोविंद जोगलेकर, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
12. मीडिया लेखन : सिद्धांत और प्रयोग, मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
13. संचार माध्यम : तकनीक एवं लेखन, विजय कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
14. मीडिया, साहित्य और संस्कृति, माधव हाड़ा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
15. टेलीविजन : निर्माण कला – विवेकानंद, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
16. भूमंडलीकरण बाजार और मीडिया - संपादक- जय नायारण बुधवार, प्रमिला बुधवार, स्वराज प्रकाशन
17. मीडिया, बाजार और लोकतंत्र - सं- पंकज बिष्ट, भूपेन सिंह, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
18. मीडिया, मिथ और समाज – रामशरण जोशी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
19. भारत में जनसंचार और प्रसारण माध्यम - मधुकर लेले, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

20. मीडिया का अंडरवर्ल्ड- दिलीप मंडल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
21. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और संभावनाएं - आर. अनुरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली धा
22. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया, नए रुझान - शालिनी जोशी,शिवप्रसाद जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
23. टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत, प्रभात रंजन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
24. रेडियो नाटक की कला डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
25. रेडियो वार्ता-शिल्प - डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
26. टीआरपी टीवी न्यूज और बाजार - मुकेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
27. टेलीविजन की कहानी - डॉ. श्याम कश्यप, मुकेश कुमार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. टेलीविजन और क्राइम रिपोर्टिंग - वर्तिका नंदा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- घ : गुजराती साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को गुजराती साहित्य के विकास और प्रवृत्तियों से परिचय कराना
- चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा गुजरात के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझाना

इकाई 1.

गुजराती साहित्य की संक्षिप्त पृष्ठभूमि
मध्यकालीन गुजराती साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ : जैन साहित्य, प्रेम लक्षणा भक्ति साहित्य, आख्यान परम्परा, ज्ञानमार्गी साहित्य

इकाई 2.

आधुनिक गुजराती साहित्य की प्रमुख प्रवृतियाँ
सुधारक युग, पंडित युग, गांधी युग, आधुनिक युग, उत्तर आधुनिक युग

इकाई 3.

गुजराती साहित्यकार :
नर्मद, गोवर्धनराम त्रिपाठी, उमाशंकर जोशी, पन्नालाल पटेल, दर्शक

इकाई 4.

गुजराती रचनाएं :

महाप्रस्थान (उमाशंकर जोशी)
जीवी (पन्नालाल पटेल)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. गुजराती साहित्य का इतिहास, जयंतकृष्ण हरिकृष्ण दवे, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
2. नवजागरणकालीन गुजराती साहित्य, सं. महावीर सिंह चौहान, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद
3. भारतीय साहित्य- संपा. डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2013
4. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास- संपा. नगेन्द्र, हिन्दी कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली, संस्करण 1989
5. भारतीय साहित्य- डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
6. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय साहित्य, डॉ. आरसु, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष, रोहिताश्व, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
9. आधुनिका भारतीय कविता, डॉ. नंदकिशोर पाण्डेय, अवधेश नारायण मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
10. भारतीय काव्य में सर्वधर्म समभाव, डॉ. नगेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय काव्य विमर्श, राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकशन, दिल्ली
12. गुजराती साहित्य का इतिहास, जयंकृष्ण हरिकृष्ण दवे, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
13. शतदल (सौ श्रेष्ठ भारतीय कविताएँ), स्वयं कवियों द्वारा किया गया संकलन, भारतीय भाषा परिषद्, कोलकाता
14. चयनम (काव्य संकलन), सं. अरुण प्रकाश, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
15. समकालीन गुजराती कविताएँ, चयन एवं हिंदी अनुवाद, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

प्रकल्प

क्रेडिट 02

	मोनोग्राफ **अथवा** साक्षात्कार (न्यूनतम 3000 शब्द)	क्रेडिट 2	अनिवार्य

तृतीय सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 5 : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का परिचित कराना
- हिन्दी भाषा अध्ययन की वैज्ञानिक पद्धति से अवगत कराना

इकाई- 1.

भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण

भाषा विज्ञान स्वरूप और व्याप्ति

भाषा परिवार

भाषा की संरचना

भाषा और विचार

इकाई- 2.

ध्वनि विज्ञान

रूप विज्ञान

वाक्य विज्ञान

अर्थ विज्ञान

इकाई- 3.

हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

हिन्दी भाषा की संरचना

हिन्दी की उपभाषाएं (बोलियां)

भाषा और लिपि का संबंध

देवनागरी लिपि का मानकीकरण

इकाई- 4.

हिन्दी ध्वनियाँ और उनका वर्गीकरण

शब्द साधन, शब्द रचना, वाक्य विन्यास, विराम चिह्न

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. भाषा और समाज, डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी भाषा का इतिहास, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
4. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक भाषा विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन
6. One Language Two Script – Christopher King, Oxford University. Press, 1994
7. The Hindi Public Sphere (1920-1940) – Francheska Orsini, Oxford University Press 2002
8. भाषा और व्यवहार, बृजमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. भारतीय भाषा विज्ञान, आ. किशोरीदास वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. भाषाई अस्मिता और हिंदी, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

11. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा, सुवास कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. भारत की भाषाएँ एवं भाषिक एकता तथा हिंदी, महावीर सरन जैन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. भारत की भाषा समस्या, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भाषा, भाषा विज्ञान और राजभाषा हिंदी, महेन्द्रनाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
16. भाषा और व्यवहार, ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. आधुनिक भाषा विज्ञान, राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. आधुनिक भाषा विज्ञान, कृपाशंकर सिंह-चतुर्भुज सहाय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी भाषा, महावीर प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
20. हिंदी भाषा : अतीत से आज तक, विजय अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 6 : अस्मितामूलक साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को अस्मितामूलक साहित्य की वैचारिकी से परिचय कराना
- छात्रों को अस्मितामूलक साहित्य से परिचित कराना
- अस्मितामूलक साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

अस्मितामूलक साहित्य की अवधारणा
अस्मिता का अर्थ
अस्मिता : व्यक्ति, समूह और राष्ट्र
अस्मिताओं के उभार के कारण
भारत में वंचित अस्मिताओं का ऐतिहासिक संघर्ष
वंचित अस्मिताओं का वैचारिक एवं साहित्यिक आंदोलन
हिन्दी के अस्मितावादी लेखन की विशिष्टता और चुनौतियां

इकाई- 2.

दलित एवं आदिवासी लेखन
जूठन (आत्मकथा), ओमप्रकाश वाल्मीकि
आदिवासी कहानियां, सं. केदारप्रसाद मीणा (चयनित कहानियां)

उस दिन रास्ते में (रामदयाल मुंडा), सांवडया (हरिराम मीणा), दुनिया की सबसे हसीन औरत (संजीव), कोमरेड मीणा (केदार प्रसाद मीणा), महुआ का फुल (मंगल सिंह मुंडा), जंगल की ललकार (वाल्टर भेंगरा 'तरुण'), भगोरिया की बाट (शिवकुमार पाण्डेय), डायनमारी (शेखर मल्लिक)

इकाई- 3.

स्त्री लेखन

विजन, मैत्रेयी पुष्पा

इकाई- 4.

अल्पसंख्यक संवेदनाजनित लेखन

चयनित कहानियां- जख्म (असगर वजाहत), रमजान में मौत (मंजूर एहतेशाम), सरहद के इस पार (नासिरा शर्मा), दोजखी (शानी), कोरजा (मेहरून्निशा परवेज), ग्राम सुधार (अब्दुल बिस्मिलाह), परदेशी (बदीउज्जमा), फत्ते भाई (अनवर सुहैल), तार (मो. आरिफ), सब साजिन्दे (मुशरफ आलम जौंकी)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. आधुनिकता के आईने में दलित, सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, शरणकुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. दलित साहित्य के प्रतिमान, डॉ. एन. सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. आदिवासी दुनिया, हरिराम मीणा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
6. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी, सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन दिल्ली
7. आदिवासी साहित्य यात्रा, सं. रमणिका गुप्ता, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
8. आदिवासी लेखन एक उभरती चेतना, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन नई दिल्ली
9. आदिवासी भाषा और शिक्षा, सं. रमणिका गुप्ता, स्वराज प्रकाशन दिल्ली
10. आदिवासी अस्मिता का संकट, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
11. खतरे अल्पसंख्यकवाद के, मुज्जफर हुसैन, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
12. सांप्रदायिक राजनीति : तथ्य एवं मिथक, राम पुनियानी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. स्त्री संघर्ष का इतिहास, राधा कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. स्त्री मुक्ति का सपना, सं. कमलाप्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
15. परिवार, निजी सम्पति और राजसत्ता की उत्पत्ति, फ्रेडरिक एंगेल्स, पी.पी.एच., दिल्ली
16. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
17. स्त्री चिन्तन की चुनौतियाँ, रेखा कस्तवार, राधाकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. विमर्श के विविध आयाम, अर्जुन चव्हान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
19. यथास्थिति से टकराते हुए : दलित स्त्री जीवन से जुडी हुई आलोचना, सं. अनीता भारती-बजरंग बिहारी तिवारी, सम्यक प्रकाश, दिल्ली

20. हाशिये की वैचारिकी, सं. उमा शंकर चौधरी, अनामिका पब्लिशर्स, दिल्ली
21. दलित साहित्य का समाजशास्त्र, हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- क : हिन्दी नाटक और रंगमंच

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को नाटक के स्वरूप, रचनाविधान और रंगमंचीय पक्ष से परिचित कराना
- छात्रों में नाटक के अस्वादन और विश्लेषण की दृष्टि विकसित करना

इकाई-1.

नाटक की परिभाषा और स्वरूप, नाटक के तत्व, नाटक का अन्य विधाओं से संबंध, नाटक का सामाजिक महत्व

नाटक तथा अन्य कलाओं का अंत:सम्बन्ध

इकाई-2.

नाटक की परम्परा

संस्कृत नाटक

पारसी रंगमंच

पाश्चात्य रंगमंच

हिन्दी नाटक

ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई- 3.

रंगमंच की अवधारणा और प्रकार

रंगशिल्प, रंगभाषा, ध्वनि एवं संगीत (आहार्य, अलंकरण, वेशभूषा आदि)

लोकमंच और देशज संवेदना (रामलीला, रासलीला, स्वांग, भवाई, तमाशा आदि)

जनमंच और प्रतिरोध की संस्कृति (एकांकी /नुक्कड़ नाटक)

इकाई 4.

अंधायुग - धर्मवीर भारती

आधे अधूरे - मोहन राकेश

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. पारंपरिक भारतीय रंगमंच, कपिला वात्स्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
2. नाट्यभाषा, गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन
3. हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
4. आधुनिक भारतीय रंगलोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच, नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
6. रंगदर्शन, नेमिचन्द्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. हिंदी नाटक सिद्धांत और विवेचन, गोविन्द चातक, तक्षशिला प्रकाशन
8. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, सीताराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. अंतरंग बहिरंग - देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन
10. हिंदी नाटक उद्भव एवं विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस
11. आधुनिक भारतीय रंग्लोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
12. हिंदी नाटक : आज कल, तक्षशिला प्रकाशन
13. दूसरा नाट्यशास्त्र, देवेन्द्रराज अंकुर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच -सीताराम चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन
15. नाट्यालोचना के सिद्धांत -सिद्धनाथ कुमार, वाणी प्रकाशन
16. हिंदी नाटक के सौ साल, दो भागों में, महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली
17. हिंदी नाटक : विमर्श के विविध आयाम, ममता धवन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
18. हिंदी रंगमंच की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी नाटक, बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. हिंदी नाटक और रंगमंच, (सं.) राजमल बोरा, पंचशील प्रकाशन, जयपुर

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ख : छायावाद

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को छायावादी काव्य से विशेष परिचय कराना
- छात्रों को पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

छायावाद की पृष्ठभूमि

छायावाद का स्वरूप

छायावाद की प्रवृतियाँ

इकाई- 2.

सुमित्रानंदन पन्त के काव्य में प्रकृति चित्रण, पन्त की सौन्दर्य चेतना और उनकी काव्य भाषा
रचनाएँ- परिवर्तन, नौका विहार, प्रथम रश्मि का आना रंगिणी, मौन निमंत्रण, ताज

इकाई- 3.

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविता में प्रकृति एवं प्रगति चेतना, निराला के काव्य में विविध प्रयोग
रचनाएँ- सरोज स्मृति, स्नेह निर्झर बह गया, कुकुरमुत्ता और तोड़ती पत्थर

इकाई- 4.

जयशंकर प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनंदवाद, कामायनी में रूपक तत्व और कामायनी का आधुनिक सन्दर्भ
रचनाएँ- झरना, कामायनी (लज्जा सर्ग)
महादेवी वर्मा के काव्य में रहस्यवाद, वेदना भाव, गीति तत्व, काव्य भाषा और बिम्ब विधान
रचनाएँ- मैं नीर भरी दुःख की बदली, सब बुझे दीपक जला लूँ, यह मंदिर का दीप, पूछता क्यों शेष कितनी रात, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, क्या पूजा क्या अर्चन रे

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. छायावाद का रचनालोक, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. कामायनी : एक पुनर्विचार, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. प्रसाद, निराला और पन्त छायावाद और उसकी वृहत्रयी, विजय बहादुर सिंह, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
4. छायावादयुगीन साहित्यिक वादविवाद, गोपाल प्रधान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
5. कामायनी का पुनर्मुल्यांकन, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. कवि सुमित्रानंदन पन्त, नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. जयशंकर प्रसाद, नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. कवि निराला, नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. निराला काव्य की छवियाँ, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. निराला का काव्य : विविध सन्दर्भ, मीरा श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. निराला का काव्य, बच्चन सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकुला
12. कल्पना और छायावाद, केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. छायावाद, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
14. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन, कुमार विमल, राजकमल, प्रकाशन, दिल्ली
16. छायावाद युगीन साहित्यिक वाद विवाद, गोपाल प्रधान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
17. छायावाद का प्रेमदर्शन, विजय लक्ष्मी, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली

18. जयशंकर : एक पुनर्मुल्यांकन, विनोद शाही, आधार प्रकाशन, पंचकुला
19. प्रसाद का काव्य, प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
20. महादेवी, इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
21. महादेवी का नया मूल्यांकन, गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
22. महादेवी, परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
23. छायावाद के कवि : प्रसाद, निराला और पन्त, विजय बहादुर सिंह, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ग : हिन्दी सिनेमा

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को हिन्दी सिनेमा के इतिहास-विकास से परिचित कराना
- छात्रों को सिनेमाई कला के विविध आयामों से परिचित कराना

इकाई- 1.

सिनेमा : स्वरूप और विकास
सिनेमा एक माध्यम के रूप में उदय
सिनेमा का इतिहास और प्रारम्भिक सिनेमा
हिन्दी सिनेमा का अतीत और वर्तमान (श्याम-श्वेत, रंगीन, वैश्विक सिनेमा)
जन माध्यम के रूप में सिनेमा
सिनेमा के विविध प्रकार - लोकप्रिय सिनेमा, कलात्मक एवं समानांतर सिनेमा, बाल सिनेमा, डॉक्युमेंट्री
सिनेमा के तकनीक पक्ष (कैमरा, गति, ध्वनि, रंगों का प्रयोग, अभिनय, संपादन, निर्देशक की भूमिका एवं संगीत पक्ष)

इकाई- 2.

सिनेमा और समाज (गाँव, किसान, स्त्री)
सिनेमा और राजनीति
सिनेमा और संस्कृति
सिनेमा की भाषा एवं सम्प्रेषण

इकाई- 3.

साहित्य और सिनेमा
साहित्य और सिनेमा का अंत:सम्बन्ध

साहित्यिक रचना का सिनेमा में रूपांतरण

सिनेमा में साहित्य : कथा, पटकथा, संवाद एवं गीत

इकाई- 4.

सिनेमा के लिए लेखन :

पटकथा लेखन

संवाद लेखन

गीत लेखन

सिनेमाई लेखन का व्यावहारिक पक्ष

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी सिनेमा का समाजशास्त्र, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली
2. पटकथा लेखन : एक परिचय, मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. शहर और सिनेमा : वाया दिल्ली, मिहिर पंड्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. फिल्मक्षेत्रे-रंगक्षेत्रे, अमृतलाल नागर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. कथा-पटकथा, मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. सिनेमा और संस्कृति, राही मासूम 'रजा', वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. सिनेमा समकालीन सिनेमा, अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. सिनेमा : कल, आज, कल, विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. शहर और सिनेमा : वाया दिल्ली, मिहिर पंड्या, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी सिनेमा का सच, सं. संभूनाथ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन
12. चलचित्र, कल और आज – सत्यजीत राय, राजपाल एंड संस
13. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन
14. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ– जवरीमल पारख, अनामिका पब्लिशर्स
15. How to read a film – James Monaco, Oxford University Press
16. Ideology of Hindi Cinema – Madhav Prasad, Oxford University Press
17. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – दिलचस्प, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
18. सिनेमा के सौ बरस - सं- मृत्युंजय, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
19. फिल्म का सौन्दर्य शास्त्र और भारतीय सिनेमा - सं- कमला प्रसाद, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
20. फीचर लेखन : स्वरुप और शिल्प - डॉ. मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
21. फिल्म निर्देशन - कुलदीप सिन्हा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
22. नए दौर का नया सिनेमा – प्रियदर्शन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

23. सिनेमा के चार अध्याय - टी. शशिधरन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
24. अभेद आकाश(फिल्मकार मणिकौल से बातचीत) - उदयन बाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
25. अपूत्रयी का दृश्य पाठ - सतीश बहादुर/श्यामला वनारसे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
26. मंडी में मीडिया - विनीत कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
27. पश्चिम और सिनेमा - दिनेश श्रीनेत, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- घ : भारतीय साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचित कराना
- चयनित रचनाओं के अध्ययन द्वारा भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को समझना

इकाई 1.

भारतीय साहित्य की अवधारणा
भारतीय साहित्य की परम्परा
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएं

इकाई 2.

बांगला साहित्य का सामान्य परिचय

बांगला उपन्यास- गोरा, रवीन्द्रनाथ टैगोर

इकाई 3.

कन्नड़ साहित्य का सामान्य परिचय

कन्नड़ नाटक- हयवदन, गिरीश कर्नाड

इकाई 4.

पंजाबी साहित्य का सामान्य परिचय

पंजाबी कविता संग्रह- बीच का रास्ता नहीं होता, अवतार सिंह पाश

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. भारतीय साहित्य, सं. डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
2. भारतीय साहित्य, डॉ. रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यन्वय निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4. भारतीय उपन्यास की अवधारणा और स्वरूप, सं. आलोक गुप्त, राजपाल एंड संज, दिल्ली
5. भारतीय साहित्य : स्थापनाएं और प्रस्तावनाएँ, के. सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय लेखन में प्रतिरोध की परम्परा, मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. भारतीय उपन्यास और आधुनिकता, वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा
8. भारतीय साहित्य, मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
9. भारतीय साहित्य, डॉ. आरसु, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएं, रामविलास शर्मा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
11. भारतीय साहित्य की भूमिका, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय उपन्यास की दिशाएं, सत्यकाम, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
13. भारतीय साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष, रोहिताश्व, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
14. चौदह भारतीय उपन्यास, तुलसी नारायण सिंह, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली

प्रकल्प

क्रेडिट 02

	पटकथा लेखन **अथवा** रूपांतरण (न्यूनतम 3000 शब्द)	क्रेडिट 2	अनिवार्य

चतुर्थ सत्र

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 7 : साहित्यशास्त्र

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना
- छात्रों को भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांतों से अवगत कराना और उनमें समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना

इकाई-1.

काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार

अलंकार, रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत का संक्षिप्त परिचय

इकाई- 2.

रस सिद्धांत : रस की अवधारणा, रस का स्वरूप, प्रमुख व्याख्याकार, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण और सहृदय

ध्वनि सिद्धांत- ध्वनि का स्वरूप, सिद्धांत और ध्वनि भेद

हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की साहित्य विषयक मान्यताओं का अध्ययन

रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, और नामवर सिंह

इकाई- 3.

प्लेटो - काव्य की प्रेरणा का सिद्धांत और अनुकृति

अरस्तू - अनुकृति, त्रासदी और उसके तत्व, विरेचन

लॉन्जाइनस - काव्य में उदात्व तत्व, उदात्त की अवधारणा

क्रोंचे - अभिव्यंजनावाद

इकाई- 4.

आई. ए. रिचडर्स - मूल्य सिद्धांत, भाषा के विविध रूप

टी. एस. इलिएट - परम्परा और व्यक्तित्व का प्रश्न, वस्तुनिष्ठ समीकरण, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, क्लासिक और रोमांटिक

प्रमुख वाद : अभिजात्यवाद, स्वछंदतावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तरआधुनिकतावाद का संक्षिप्त परिचय

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, डॉ मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
3. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हॉउस, दिल्ली
5. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद और प्राच्य काव्यशास्त्र, गोपीचंद नारंग, साहित्य अकादमी, दिल्ली
6. काव्य चिन्तन की पश्चिमी परंपरा, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. रस सिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. भारतीय काव्य विमर्श, राममूर्ति त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
9. अथातो सौन्दर्य जिज्ञासा, रमेश कुंतल मेघ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. भारतीय काव्यशास्त्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. काव्यशास्त्र के मानदंड, रामनिवास गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. हिंदी कव्यशात्र, डॉ. रामदेव शाहू, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
15. पाश्चात्य कव्यशात्र का इतिहास, डॉ. रामदेव शाहू, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
16. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. बच्चन सिंह, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला
17. भारतीय काव्यशास्त्र, हरिश्चंद्र वर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला
18. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
19. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत, गंपतिचंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
20. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, रामचंद्र तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

अनिवार्य प्रश्नपत्र- 8 : प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनों और आयामों से परिचित करवाना
- छात्रों को हिन्दी में कामकाज करने की क्षमता को बढ़ाना

इकाई- 1.

प्रयोजनमूलक हिन्दी : अवधारणा, स्वरूप, व्यवहार क्षेत्र

राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी का विकास

अनुवाद भाषा

स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी

इकाई- 2.

राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति

राजभाषा अधिनियम, प्रमुख धाराएँ, प्रावधान, निर्देशों की जानकारी

राजभाषा कार्यान्वयन के प्रयास, सरकार के अधीन कार्यरत प्रमुख हिन्दी संस्थाएं

इकाई- 3.

प्रशासकीय संप्रेषण के विविध रूप

कार्यालयीन लेखन (शासकीय, अर्धशासकीय, व्यावसायिक और औपचारिक पत्र लेखन के प्रमुख प्रकारों का अध्ययन)

हिंदी कम्प्यूटिंग

इकाई- 4.

कार्यालयीन अनुवाद

प्रमुख कार्यालयीन पत्रों के अनुवाद का व्यावहारिक ज्ञान

कार्यालयीन अनुवाद : समस्याएं और संभावनाएं

पारिभाषिक तथा तकनीकी शब्दावली

हिंदी का मानकीकरण, प्रयुक्ति विश्लेषण

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. रमेश तरुण, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
2. सरकारी कार्यालयों में हिंदी प्रयोग, गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कार्यालयीन हिंदी, डॉ. विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और व्यवहार, रघुनन्दनप्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. प्रयोजनमूलक हिंदी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग, दंगल झलते, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. प्रयोजनमूलक हिंदी, माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश-डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. प्रयोजनमूलक हिंदी, राजनाथ भट्ट, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला
11. प्रयोजनमूलक हिंदी, कमला शंकर त्रिपाठी, उत्तरप्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- क : हिन्दी आलोचना

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को हिन्दी आलोचना की प्रकृति, प्रवृत्ति एवम् विकासक्रम से परिचित कराना
- छात्रों को प्रमुख आलोचकों की अवधारणाओं और प्रतिमानों से परिचित कराना

इकाई- 1.

हिन्दी आलोचना की पृष्ठभूमि, पूर्व शुक्ल युग की आलोचना, शुक्ल युग की आलोचना, आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि (कविता क्या है, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, रसात्मक बोध के विविध रूप, मानस की धर्मभूमि)

इकाई- 2.

शुक्लोत्तर आलोचना और आलोचक
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, नन्ददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र
प्रसाद और निराला की आलोचना दृष्टि

इकाई- 3.

प्रगतिशील आलोचना और आलोचक
शिवदान सिंह चौहान, रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह
परवर्ती प्रगतिशील आलोचना

इकाई- 4.

आधुनिकतावादी आलोचना और आलोचक
अज्ञेय, विजयदेवनारायण साही, धर्मवीर भारती, रामस्वरूप चतुर्वेदी

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. हिंदी आलोचना का विकास, मधुरेश, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी आलोचना का विकास, नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. आधुनिक हिन्दी काव्यालोचना के सौ वर्ष, प्रो. पुष्पिता अवस्थी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. आलोचना के नये मान, कर्ण सिंह, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली
8. आलोचना की जमीन, विनोद शाही, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा

9. आलोचना का जनतंत्र, देवेन्द्र चौबे, आधार प्रकाशन पंचकुला, हरियाणा
10. समकालीन हिन्दी आलोचना- संपा. परमानन्द श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी, दिल्ली संस्करण प्रथम संस्करण 1998
11. आलोचक और आलोचना- कमला प्रसाद, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
12. समकालीन आलोचना- संपा. वीरेंद्र सिंह, पंचशील प्रकाशन, जयपुर संस्करण 1989
13. आलोचक और आलोचना- देवीशंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. आलोचना की पहली किताब- विष्णु खरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
15. आलोचना यात्रा- चंचल चौहान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
16. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत- योगेन्द्र प्रताप सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
17. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार- कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. आलोचना और विचारधारा- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. हिन्दी आलोचना का दूसरा पाठ- निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
20. आलोचना के सौ बरस (तीन भागों में)- सं. अरविन्द त्रिपाठी, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र- ख : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों और प्रतिनिधि रचनाकारों से अवगत कराना
- छात्रों को पाठ्य कृतियों के सन्दर्भ में काव्य के आस्वादन और समीक्षा की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि
स्वातंत्र्योत्तर काव्य आन्दोलन, कथ्य और शिल्पगत वैविध्य
उपलब्धि और सीमाएं

इकाई- 2.

नई कविता के प्रतिनिधि कवि और कविता
अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, मुक्तिबोध, त्रिलोचन, केदारनाथ सिंह, रघुवीर सहाय, कुंवरनारायण, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

इकाई- 3.

अकविता और विविध काव्यान्दोलन के प्रतिनिधि कवि और कविता

धूमिल, राजकमल चौधरी, ऋतुराज, वेणुगोपाल, लीलाधर जगूड़ी, कुमार विकल

इकाई- 4.

आठवें दशक के बाद की हिन्दी कविता के प्रतिनिधि कवि और कविता

चंद्रकांत देवताले, राजेश जोशी, मंगलेश डबराल, ज्ञानेन्द्रपति, उदयप्रकाश, अरुण कमल, अनामिका

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. कविता के नये प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. साठोत्तरी कविता परिवर्तित दिशाएँ, विजय कुमार, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
5. फिलहाल, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन दिल्ली
7. समकालीन कविता और सौंदर्य बोध, रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
9. कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
10. कविता का आत्मपक्ष, एकांत श्रीवास्तव, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
11. कविता की संगत, विजय कुमार, आधार प्रकाशन, पंचकुला, हरियाणा
12. समकालीन कविता का बीजगणित, कृष्ण कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
14. नयी कविता का आत्मसंघर्ष, मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. कविता का उत्तर जीवन, परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
16. कविता के पक्ष में, (सं.) विश्वरंजन, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
17. समकालीन हिंदी कविता की नई सोच, डॉ. पद्मजा घोरपड़े, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
18. एक कवि की नोटबुक, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
19. हिंदी कविता आधी शताब्दी, अजय तिवारी, साहित्य भंडार प्रकाशन, इलाहाबाद
20. समकालीन कविता के बारे में, नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- ग : अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को अनुवाद की मूलभूत विशेषताओं और उसके महत्व से परिचित कराना
- अनुवाद के व्यवहारिक अभ्यास के द्वारा बेहतर अनुवाद करने की क्षमता बढ़ाना

इकाई- 1.

अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र

अनुवाद का व्यापक सन्दर्भ, अनुवाद की प्रकृति- कला, विज्ञान

अनुवाद की इकाई -शब्द, पदबंध, वाक्य, पाठ

अनुवाद प्रक्रिया के तीन पक्ष - विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन

अनुवाद की तीन भूमिकाएँ - पाठक की भूमिका, द्विभाषिक की भूमिका, रचयिता की भूमिका स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा, अनुवाद की चिंतन परम्परा- भारतीय एवं पाश्चात्य

अनुवाद के क्षेत्र (साहित्य, वार्तालाप, पत्राचार, धर्म, न्यायालय, कार्यालय, शिक्षा, विज्ञान, प्रोद्योगिकी और संचार माध्यम आदि)

इकाई- 2.

अनुवाद के प्रकार और अनुवाद की योजनाएं

पाठानुवाद एवं आशु अनुवाद, लिप्यान्तरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद,

मशीनी अनुवाद

इकाई- 3.

अनुवाद, पुनर्रीक्षण और मूल्यांकन

भाषिक, संरचनागत और शैलीगत, सांस्कृतिक शब्द, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे,

साहित्य एवं साहित्येतर अनुवाद की समस्याएँ

इकाई- 4.

अनुवाद प्रयोग, व्येतिरिकी विश्लेषण

भारतीय भाषाओं अथवा अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी से भारतीय भाषाओं अथवा अंग्रेजी में अनुवाद

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, सं. नगेन्द्र, हिंदी अध्ययन कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2. अनुवाद के सिद्धांत : समस्याएं और समाधान, साचमुल्लू रामचंद्र रेड्डी, साहित्य अकादमी, दिल्ली

3. अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग, जी. गोपीनाथ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद और रचना का उत्तर जीवन, रमण सिन्हा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. अनुवाद प्रक्रिया और परिदृश्य, रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक शब्दकार, दिल्ली
8. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, भोलानाथ तिवारी, प्रकाशक शब्दकार, दिल्ली
9. अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार - डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
10. अनुवाद के भाषिक पक्ष - विभा गुप्ता, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
11. अनुवाद क्या है - राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. अनुवाद-कार्यदक्षता : भारतीय भाषओं की समस्याएँ - सं महेन्द्रनाथ दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
13. भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद समस्या समाधान - कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
14. बैंकिंग अनुवाद - ओम निश्चल/ गुमान सिंह, किताबघर प्रकाशन
15. अनुवाद : अवधारणा और विमर्श, श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. अनुवाद, तकनीक और समस्याएं, श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
17. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, प्रो. राजमणि शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादेमी, पंचकुला
18. अनुवाद सैद्धांतिकी, प्रदीप सक्सेना, आधार प्रकाशन, पंचकुला
19. अनुवाद विज्ञान की भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
20. राजभाषा हिंदी और तकनीकी अनुवाद, रमेशचंद्र, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

वैकल्पिक प्रश्नपत्र- घ : तुलनात्मक साहित्य

क्रेडिट 04

उद्देश्य

- छात्रों को तुलनात्मक साहित्य के इतिहास और परम्परा से अवगत कराना
- छात्रों को तुलनात्मक साहित्य के सिद्धांतों और अध्ययन प्रविधि का आधारभूत ज्ञान कराना

इकाई- 1.

तुलनात्मक साहित्य : अर्थ, स्वतंत्र ज्ञान क्षेत्र के रूप में विकास, परिभाषा

तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप, क्षेत्र और महत्व

फ्रांसीसी सम्प्रदाय - विचार सम्प्रेषण, अभिग्रहण एवं प्रभाव, साहित्यिक कवियों की विदेश यात्रा, विभिन्न स्रोत, किसी देश के साहित्य में दूसरे देश का चित्रण

अमरीकी सम्प्रदाय - विषयवस्तु, अभिप्राय, काव्य रूप, युगधारा तथा आन्दोलन, विशिष्ट देश, विशिष्ट लेखक

इकाई- 2.

भारतीय तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन की परम्परा और इतिहास

तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की प्रविधि

इकाई- 3.

वस्तु बीज (थीमेटिक्स) दृष्टि से तुलनात्मक अध्ययन

दो रचनाएँ - मानव की अस्मिता, अस्तित्व का प्रश्न - नदी के द्वीप (अज्ञेय) और अमृता (रघुवीर चौधरी)

इकाई- 4.

गृहीत अध्ययन (रिसेप्शन स्टडी) की दृष्टि से अध्ययन

पौराणिक कथा /पात्र /घटना के आधार पर अध्ययन

रश्मिरथी (दिनकर), कर्ण-कुंती संवाद (टेगौर), कर्ण-कुंती (उमाशंकर जोशी)

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका, इंद्रनाथ चौधरी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य, इन्द्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. तुलनात्मक अध्ययन : भारतीय भाषाएँ और साहित्य, राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप एवं समस्याएं, राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. तुलनात्मक साहित्य, सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हॉउस, दिल्ली
6. तुलनात्मक साहित्य सिद्धांत और समीक्षा, सं. महावीर सिंह चौहान, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, गुजरात
7. Comparative literature theory and practice, editor-Amiya dev & Sisirkumar, Indian institute of advanced study, shimlaa

प्रकल्प

क्रेडिट 02

	शोध पत्र लेखन **अथवा** अनुवाद (न्यूनतम 3000 शब्द)	क्रेडिट 2	अनिवार्य

(27 जुलाई 2015 को सम्पन्न अध्ययन मण्डल की बैठक में अनुमोदित तथा 28 सितम्बर 2015 को सम्पन्न विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद् की 12वीं बैठक में स्वीकृत तथा अकादमिक वर्ष 2015-16 से कार्यान्वित |)